रोल नं. ☐☐☐☐☐☐☐☐

**प्रश्न-पत्र कोड 2/1/1**

# हिंदी (आधार)

CBSE Class XII Board Examination 2023 — with answers

**निर्धारित समय: 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

**सामान्य निर्देश:**

1. प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं और सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न-पत्र दो खंडों में बँटा है – खंड अ (बहुविकल्पी/वस्तुपरक) और खंड ब (वर्णनात्मक)।
3. खंड अ में 45 बहुविकल्पी उप-प्रश्न हैं, जिनमें से केवल 40 के उत्तर देने हैं (प्रश्न 2 में दो काव्यांशों में से एक चुनना है)।
4. खंड ब के प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं; प्रत्येक प्रश्न में दिए निर्देश के अनुसार ही उत्तर लिखिए।
5. जहाँ शब्द-सीमा दी गई है, उत्तर उसी के भीतर लिखिए और यथासंभव दोनों खंडों के उत्तर क्रम से दीजिए।

## खंड – अ (बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

*40 अंक: प्रश्न 1 और 6 – 10 × 1; प्रश्न 2–5 – 5 × 1। प्रत्येक उप-प्रश्न 1 अंक का है।*

**1.** **10**

*अपठित गद्यांश – वैश्विक संकटों के बीच औद्योगिक क्रांतियों, अंधाधुंध विकास और जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी की पारिस्थितिकी व मानव अस्तित्व पर बढ़ते ख़तरे का विषय – यहाँ नहीं दिया गया है। इस पर आधारित प्रश्न 1 (i)–(x) बहुविकल्पी हैं, प्रत्येक 1 अंक का।*

**2.** *दिए गए दो अपठित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर उस पर पूछे गए पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* **5**

*अपठित काव्यांश 1 (क) – कर्ण के तेज, पुण्य और महिमा का वर्णन, जिसमें धरती उसे अपना पुत्र बताकर गर्व करती है – यहाँ नहीं दिया गया है। इस पर आधारित (i)–(v) बहुविकल्पी प्रश्न, प्रत्येक 1 अंक का।*

**अथवा**

*अपठित काव्यांश 2 (ख) – आत्मदान और त्याग की महिमा, जिसमें बलिदान देकर अमर हुए महापुरुषों के उदाहरण हैं – यहाँ नहीं दिया गया है। इस पर आधारित (i)–(v) बहुविकल्पी प्रश्न, प्रत्येक 1 अंक का।*

**3.** *जनसंचार माध्यम और पत्रकारीय लेखन पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।* **5**

(क) यूरोप में पुनर्जागरण (रेनेसाँ) लाने में सबसे बड़ी भूमिका किसकी मानी जाती है?

**(A) छापाखाना** **(B)** समाचार-पत्र

**(C)** औद्योगिक क्रांति **(D)** नेता

**उत्तर**
(a) छापाखाना

मुद्रित माध्यम के इतिहास में बताया गया है कि गुटेनबर्ग के छापाखाने ने किताबें और विचार आम लोगों तक पहुँचाए।
ज्ञान के इसी प्रसार से यूरोप में पुनर्जागरण और धर्म-सुधार आंदोलन को बल मिला।
समाचार-पत्र तो छापेखाने के बाद ही संभव हुए, इसलिए मूल श्रेय छापेखाने को जाता है।

(ख) समाचार-पत्रों की पुरानी फ़ाइलें आसानी से खोजने की सुविधा हमें किस माध्यम से मिलती है?

**(A)** प्रेस से **(B)** दूरदर्शन से

**(C) इंटरनेट से** **(D)** पुस्तकालय से

**उत्तर**
(c) इंटरनेट से

इंटरनेट पत्रकारिता की एक बड़ी विशेषता यह है कि अख़बारों के पुराने अंक (आर्काइव) ऑनलाइन सुरक्षित रहते हैं।
कुछ ही पलों में खोज (सर्च) करके किसी भी तारीख़ की ख़बर पढ़ी जा सकती है।
पुस्तकालय में भी फ़ाइलें मिलती हैं, पर वहाँ खोजना समय लेने वाला है; 'सहजता' इंटरनेट में ही है।

(ग) पत्रकारीय लेखन का संबंध मुख्य रूप से किससे होता है?

**(A) वास्तविक घटनाओं से** **(B)** साहित्यिक लेखन से

**(C)** सृजनात्मक लेखन से **(D)** प्रभावकारी विचारों से

**उत्तर**
(a) वास्तविक घटनाओं से

पत्रकार कल्पना पर नहीं, सच्ची घटनाओं, तथ्यों और समस्याओं पर लिखता है।
साहित्यिक/सृजनात्मक लेखन में कल्पना की छूट होती है, जबकि पत्रकारीय लेखन तथ्यपरक होता है।

(घ) 'उलटा पिरामिड' शैली किस प्रकार के लेखन से जुड़ी है?

**(A)** फ़ीचर लेखन से **(B)** आलेख लेखन से

**(C) समाचार लेखन से** **(D)** कथा लेखन से

**उत्तर**
(c) समाचार लेखन से

समाचार लिखने की सबसे लोकप्रिय शैली उलटा पिरामिड है – सबसे ज़रूरी सूचना सबसे पहले (मुखड़ा/इंट्रो), फिर बॉडी और अंत में कम महत्त्व की बातें (समापन)।
फ़ीचर में इसके उलट कथात्मक शैली चलती है, इसलिए (a) ग़लत है।

(ङ) विशेष लेखन की भाषा-शैली कैसी होती है?

**(A)** सामान्य लेखन की तरह **(B)** समाचार लेखन की तरह

**(C) सामान्य लेखन से अलग**

**(D)** अलंकारों से भरी

**उत्तर**

(c) सामान्य लेखन से अलग

विशेष लेखन किसी ख़ास क्षेत्र (खेल, कारोबार, विज्ञान, कृषि आदि) पर होता है।
इसमें उस क्षेत्र की तकनीकी शब्दावली (जैसे सेंसेक्स, बिकवाली, रन-रेट) का प्रयोग होता है, इसलिए इसकी भाषा सामान्य लेखन से अलग होती है।

**4.** *आलोक धन्वा की कविता 'पतंग' के उस अंश पर आधारित प्रश्न जिसमें बच्चों की बेसुध, उल्लास भरी दौड़ का चित्र है (अंश यहाँ नहीं दिया गया है)।* **5**

(क) आलोक धन्वा की कविता 'पतंग' का एक अंश दिया गया है, जिसमें बेसुध होकर दौड़ते, पेंग भरते चले आते लोगों का चित्र है। अंश के आधार पर बताइए – यह काव्यांश किससे संबंधित है?

**(A)** कवि से
**(B) बच्चों से**
**(C)** मनुष्य से
**(D)** चिड़िया से

**उत्तर**
(b) बच्चों से

'पतंग' कविता में कवि बच्चों के उल्लास का वर्णन करता है – वे पतंग के पीछे बेसुध दौड़ते हैं, छतों पर उछलते-कूदते हैं।
इस अंश में 'वे' शब्द बच्चों के लिए ही आया है।

(ख) 'पतंग' (आलोक धन्वा) के अंश में कहा गया है कि बच्चे जन्म से ही अपने साथ 'कपास' लाते हैं। यहाँ 'कपास' शब्द किस अर्थ में आया है?

**(A)** यथार्थ
**(B)** कल्पना
**(C)** निश्छलता
**(D) कोमलता**

**उत्तर**
(d) कोमलता

कपास बहुत नरम और हल्की होती है। कवि कहता है कि बच्चे जन्म से ही कपास जैसी कोमलता (नरम शरीर और कोमल भावनाएँ) लेकर आते हैं।
इसी कोमलता के कारण कठोर छतें भी उनके लिए नरम हो जाती हैं।

(ग) 'पतंग' कविता में बच्चों के दौड़ने के प्रसंग में 'छतों को नरम बनाते हुए' का भाव क्या है?

**(A)** कल्पना के पीछे भागना
**(B)** छतों पर दौड़ते रहना
**(C) कठिनाइयों को आसान बनाना**
**(D)** कठिनाइयों की परवाह नहीं करना

**उत्तर**
(c) कठिनाइयों को आसान बनाना

छत कठोर होती है, पर बच्चों के उत्साह और कोमलता के आगे वह भी नरम लगने लगती है।
भाव यह है कि बच्चे अपने उल्लास से कठिन परिस्थितियों को भी सहज और आसान बना देते हैं।
(d) से अंतर: यहाँ केवल परवाह न करना नहीं, कठोरता को कोमल बना देना कहा गया है।

(घ) 'पतंग' कविता में बच्चों के 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' से कवि का क्या अभिप्राय है?

**(A)** दिशाओं को ढोलक की तरह बजाना
**(B)** दिशाओं में ढोलक के स्वर गूँजना
**(C) चारों तरफ़ बच्चों की किलकारियों का गूँजना**
**(D)** चारों दिशाओं में बच्चों का भागना

**उत्तर**
(c) चारों तरफ़ बच्चों की किलकारियों का गूँजना

पतंग उड़ाते बच्चे शोर मचाते, किलकारियाँ भरते हैं। उनकी आवाज़ और दौड़ती पदचाप चारों ओर ऐसे गूँजती है मानो दिशाएँ मृदंग की तरह बज रही हों।

यह लाक्षणिक प्रयोग है, शाब्दिक ढोलक बजाना नहीं।

(ङ) 'पतंग' कविता में बच्चों के वेग की तुलना डाल से की गई है। डाल की कौन-सी विशेषता यहाँ अभिप्रेत है?

**(A)** कठोरता
**(B)** **लचीलापन**
**(C)** हरियाली
**(D)** मज़बूती

**उत्तर**
(b) लचीलापन

कवि ने बच्चों के दौड़ने को 'डाल की तरह लचीले वेग' वाला बताया है।
पेड़ की डाल झुकती-लचकती है पर टूटती नहीं; उसी तरह बच्चों का शरीर लचीला होता है और वे झूमते हुए तेज़ी से आगे बढ़ते हैं।

**5.** *धर्मवीर भारती के 'काले मेघा पानी दे' के उस अंश पर आधारित प्रश्न जिसमें लेखक इंदर सेना पर पानी फेंकने से इनकार करता है और जीजी उसे मनाती हैं (अंश यहाँ नहीं दिया गया है)।* **5**

(क) धर्मवीर भारती के संस्मरण 'काले मेघा पानी दे' के एक अंश में लेखक इस बार जीजी के कहने पर भी इंदर सेना (मेंढक-मंडली) पर पानी फेंकने से साफ़ मना कर देता है और रूठ जाता है। लेखक ने 'मेंढक-मंडली' पर पानी फेंकने से इनकार क्यों किया?

**(A)** मेंढक-मंडली को पसंद न करने के कारण **(B) इसे अंधविश्वास मानने के कारण**

**(C)** पानी के महत्त्व को समझने के कारण **(D)** पानी की बरबादी मानने के कारण

**उत्तर**
(b) इसे अंधविश्वास मानने के कारण

लेखक आर्यसमाजी विचारों से प्रभावित था और कुमार-सुधार सभा का उपमंत्री था।
वह मानता था कि सूखे में बाल्टी भर-भर पानी इन लड़कों पर फेंकने से वर्षा नहीं होती – यह अंधविश्वास है। इसी कारण उसने मना किया।
पानी की बरबादी भी उसकी चिंता थी, पर अंश में जीजी उसी के 'अंधविश्वास' वाले तर्क का जवाब देती हैं, इसलिए (b) सबसे उपयुक्त है।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' के उसी अंश में बूढ़ी जीजी काँपते हाथों से बाल्टी उठाती हैं, फिर भी लेखक उनकी मदद को आगे क्यों नहीं आया?

**(A)** विचारों में असहमति के कारण **(B) नाराज़गी के कारण**

**(C)** बाल्टी भारी होने के कारण **(D)** तार्किक होने के कारण

**उत्तर**
(b) नाराज़गी के कारण

अंश में स्पष्ट है कि लेखक मुँह फुलाए अलग खड़ा रहा, लड्डू-मठरी भी हाथ से खिसका दी और जीजी से बोला तक नहीं।
यह उसकी रूठने/नाराज़गी की स्थिति है; इसलिए वह मदद को आगे नहीं बढ़ा।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' में डगमगाते पैरों और काँपते हाथों के बावजूद जीजी इंदर सेना पर पानी फेंकने को क्यों तैयार थीं?

**(A)** पानी फेंकना अनिवार्य होने के कारण **(B)** लेखक के मना करने के कारण

**(C) परंपरा में विश्वास होने के कारण** **(D)** रूढ़िवादी होने के कारण

**उत्तर**
(c) परंपरा में विश्वास होने के कारण

जीजी को लोक-परंपरा पर गहरी आस्था थी। उनका मानना था कि जो हम देते हैं वही लौटकर मिलता है – इंद्र को पानी का 'अर्घ्य' देंगे तो वे वर्षा देंगे।
इसी विश्वास के बल पर वे कमज़ोरी के बावजूद पानी फेंकती रहीं।

(घ) 'काले मेघा पानी दे' के अंश में आए प्रयोग 'मुँह फेरकर बैठ गया' में 'मुँह फेरना' क्या है?

**(A) मुहावरा** **(B)** लोकोक्ति

**(C)** पदबंध **(D)** पद

**उत्तर**
(a) मुहावरा

‘मुँह फेरना’ का शाब्दिक अर्थ नहीं, लाक्षणिक अर्थ (नाराज़ होकर उपेक्षा करना) लिया जाता है और यह वाक्य का अंश बनकर आता है – यह मुहावरा है।
लोकोक्ति अपने-आप में पूरा वाक्य होती है (जैसे ‘अधजल गगरी छलकत जाय’)।

(ङ) ‘काले मेघा पानी दे’ के अंश में जीजी लेखक से ज़्यादा देर तक नाराज़ क्यों नहीं रह पाईं?

**(A)** लेखक के भूखे रहने के कारण
**(B)** लेखक से काम होने के कारण
**(C)** लेखक को नासमझ मानने के कारण
**(D) लेखक से स्नेह होने के कारण**

**उत्तर**
(d) लेखक से स्नेह होने के कारण

जीजी लेखक को अपने बच्चों से भी अधिक प्यार करती थीं। इसीलिए गुस्सा जल्दी उतर गया और उन्होंने उसका सिर गोद में रखकर प्यार से समझाया।

**6.** *पूरक पाठ्य-पुस्तक 'वितान' (सिल्वर वैडिंग, जूझ, अतीत में दबे पाँव) पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।* **10**

(क) 'सिल्वर वैडिंग' (मनोहर श्याम जोशी) में यशोधर बाबू ने झेंपते हुए भी प्रसन्न दिखने की अदा किससे सीखी थी?

**(A)** अपनी पत्नी से
**(B) किशन दा से**
**(C)** चड्ढा से
**(D)** अपने पिता से

**उत्तर**
(b) किशन दा से

यशोधर बाबू के आदर्श किशन दा थे। उनकी बोलचाल, 'समहाउ इंप्रॉपर' जैसे तकिया-कलाम और झेंपकर मुस्कराने की अदा – सब उन्होंने किशन दा से ही अपनाई थी।

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' में यशोधर बाबू गोल मार्केट का क्वार्टर क्यों नहीं छोड़ना चाहते थे?

**(A)** बड़ा घर होने के कारण
**(B)** किशन दा के प्रति विश्वास
**(C)** क्षेत्र-विशेष से प्रेम के कारण
**(D) यादें जुड़ी होने के कारण**

**उत्तर**
(d) यादें जुड़ी होने के कारण

गोल मार्केट का क्वार्टर पहले किशन दा के पास था; यहीं उनका पूरा जीवन, संघर्ष और पुरानी स्मृतियाँ जुड़ी थीं।
बच्चे नया मकान लेना चाहते थे, पर यशोधर बाबू इन्हीं यादों के कारण वहाँ से हटना नहीं चाहते थे।

(ग) 'सिल्वर वैडिंग' में अपनी विवाह-वर्षगाँठ की पार्टी यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रॉपर' क्यों लग रही थी?

**(A)** पुराने ख़्याल के होने के कारण
**(B) इसे विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण**
**(C)** दिखावे में विश्वास न रखने के कारण
**(D)** पार्टी में होने वाले ख़र्च के कारण

**उत्तर**
(b) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

यशोधर बाबू भारतीय परंपराओं से बँधे थे। उनके अनुसार सिल्वर वैडिंग मनाना, केक काटना आदि अंग्रेज़ों/पश्चिम का रिवाज़ (कस्टम) है।
इसलिए बच्चों द्वारा आयोजित पार्टी उन्हें 'समहाउ इंप्रॉपर' लगी।

(घ) 'जूझ' (आनंद यादव) में लेखक के पिता पढ़ाई की तुलना में खेत के काम और ढोर चराने को अधिक महत्त्व क्यों देते थे?

**(A)** स्वयं अशिक्षित होने से
**(B)** खेतों से फ़सल मिलने से
**(C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से**
**(D)** पढ़ने को बेकार का काम समझने से

**उत्तर**
(c) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

लेखक का पिता (दादा) ख़ुद आराम-तलबी में रहता था और खेती का सारा काम बेटे से करवाना चाहता था।
वह यह नहीं समझता था कि पढ़ाई से बेटे का भविष्य बन सकता है; इसीलिए उसे पाठशाला भेजने के बजाय खेत और ढोरों में लगाए रखता था।

(ङ) 'जूझ' में दोबारा पाठशाला पहुँचने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया?

**(A)** पढ़ाई में मन न लगने के कारण

**(B)** जान-पहचान के लड़के न होने के कारण

**(C)** साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण

**(D) अपने से कम उम्र और कम समझ वाले बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण**

**उत्तर**

(d) कम उम्र और कम अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी

पढ़ाई छूटने के कारण लेखक पिछड़ गया था। जब वह पाँचवीं में दोबारा बैठा तो उसके पुराने साथी आगे निकल चुके थे और उसे छोटे, कम समझ वाले बच्चों के साथ बैठना पड़ा।
यही मजबूरी उसे खटकती थी – सबसे सटीक उत्तर (d) है।

(च) 'जूझ' में कक्षा के शरारती लड़कों द्वारा तंग किए जाने पर लेखक की तुलना किससे की गई है?

**(A)** घायल गिलहरी से **(B)** चूहे से

**(C)** कोयल से **(D) कौए से**

**उत्तर**

(d) कौआ

लेखक की धोती, गमछे और देहाती रूप का लड़के मज़ाक उड़ाते थे। इस स्थिति में उसकी दशा ऐसी बताई गई है जैसे लड़कों के बीच घिरा कोई कौआ हो जिसे सब छेड़ते हैं।

(छ) 'जूझ' के अनुसार पाठशाला में लेखक का विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे?

**(A)** शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार **(B)** वसंत पाटील की दोस्ती

**(C)** केवल (a) **(D) (a) और (b) दोनों**

**उत्तर**

(d) (a) और (b) दोनों

मंत्री मास्टर और सौंदलगेकर मास्टर का स्नेह लेखक को प्रोत्साहित करता था।
साथ ही होशियार छात्र वसंत पाटील से दोस्ती हुई और लेखक भी उसकी तरह मन लगाकर पढ़ने लगा।
दोनों कारणों से उसका आत्मविश्वास बढ़ा।

(ज) 'अतीत में दबे पाँव' (ओम थानवी) में नगर-नियोजन का अनूठा उदाहरण किसे बताया गया है?

**(A)** माया सभ्यता **(B) मुअनजो-दड़ो**

**(C)** महाकुंड **(D)** मेसोपोटामिया

**उत्तर**

(b) मुअनजो-दड़ो

मुअनजो-दड़ो की सीधी, समकोण पर काटती सड़कें, ढकी हुई नालियाँ और व्यवस्थित बस्तियाँ नगर-नियोजन की अनूठी मिसाल हैं।
महाकुंड तो इसी नगर का एक हिस्सा है, पूरा नगर नहीं।

(झ) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर – किस प्रमाण से कहा जा सकता है कि सिंधु घाटी में व्यापार के साथ उन्नत खेती भी होती थी?

**(A)** गढ़ होने से **(B)** बैलगाड़ी मिलने से

**(C) कोठार होने से** **(D)** कुंड होने से

**उत्तर**
(c) कोठार होने से

महाकुंड के पास एक विशाल कोठार (अन्न-भंडार) मिला है, जिसमें कर के रूप में अनाज जमा किया जाता होगा।
इतना बड़ा अन्न-भंडार तभी संभव है जब खेती उन्नत हो और अतिरिक्त उपज हो।

(ञ) 'अतीत में दबे पाँव' के अनुसार मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो (सिंधु क्षेत्र) के लिए कौन-सा नाम आया है?

**(A) मेलुहा**
**(B)** उलेहा
**(C)** गढ़
**(D)** शिव

**उत्तर**
(a) मेलुहा

मेसोपोटामिया के प्राचीन अभिलेखों में सिंधु क्षेत्र को 'मेलुहा' कहा गया है, जिससे दोनों सभ्यताओं के बीच व्यापार का पता चलता है।

## खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

*40 अंक: प्रश्न 7 – चार में से एक (6); प्रश्न 8, 10, 12 – तीन में से कोई दो (2 × 3 = 6); प्रश्न 9 – तीन में से कोई दो (2 × 4 = 8); प्रश्न 11, 13 – तीन में से कोई दो (2 × 2 = 4)।*

**7.** *दिए गए चार विषयों में से किसी एक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।* **6**

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – विषय: 'मेले में अभिन्न मित्र से भेंट'।

**उत्तर**

प्रारंभ (मेले का दृश्य) → अचानक पुराने मित्र से मुलाक़ात → भावनाएँ, बातें, साथ घूमना → समापन (यादगार अनुभव); सरल, सजीव भाषा।

आदर्श उत्तर (संक्षेप में):

दशहरे का मेला पूरे शहर को रंगों से भर देता है। झूलों की चरमराहट, चाट की ख़ुशबू और ढोल की थाप के बीच मैं भीड़ में आगे बढ़ रहा था कि किसी ने पीछे से कंधे पर हाथ रखा। मुड़कर देखा तो रोहन था – मेरा बचपन का साथी, जो पाँच साल पहले दूसरे शहर चला गया था। कुछ पल हम दोनों बस मुस्कराते रहे, फिर गले मिल गए। हमने साथ बैठकर जलेबी खाई, स्कूल की शरारतें याद कीं और बड़े झूले पर वैसे ही चिल्लाए जैसे बचपन में चिल्लाते थे। विदा लेते समय फ़ोन नंबर बदले और जल्दी मिलने का वादा किया। उस दिन समझ आया कि मेले की असली रौनक़ अपनों से मिलने में है।

अंक-बिंदु: प्रारंभ व समापन 1, विषयवस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

**अथवा**

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – विषय: 'जब मैं समुद्र की लहरों में घिर गया'।

**उत्तर**

प्रारंभ (समुद्र-तट की यात्रा) → लहरों में फँसने का क्षण, डर → बचाव (लाइफ़गार्ड/साथी) → सीख (सावधानी, नियमों का पालन); रोमांचक, आत्मकथात्मक शैली।

आदर्श उत्तर (संक्षेप में):

पिछली गर्मियों में हम पुरी गए थे। सुबह की धूप में नीला समुद्र बहुत लुभावना लग रहा था। उत्साह में मैं चेतावनी वाले झंडे को अनदेखा कर कुछ आगे चला गया। अचानक एक ऊँची लहर आई और पैरों के नीचे से रेत खिसक गई। अगली लहर ने मुझे और भीतर खींच लिया; नमकीन पानी मुँह में भर गया और दिल ज़ोर से धड़कने लगा। मैं हाथ हिलाकर चिल्लाया। तट पर तैनात लाइफ़गार्ड रस्सी और ट्यूब लेकर दौड़े और कुछ ही मिनटों में मुझे बाहर खींच लाए। माँ की आँखों में आँसू थे। उस दिन मैंने सीखा कि प्रकृति की शक्ति के आगे लापरवाही भारी पड़ सकती है और सुरक्षा-नियम हमारी भलाई के लिए होते हैं।

अंक-बिंदु: प्रारंभ व समापन 1, विषयवस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

**अथवा**

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – विषय: 'नकली सामान, भरपूर विज्ञापन'।

**उत्तर**

प्रारंभ (विज्ञापनों की चकाचौंध) → नकली/घटिया सामान की समस्या, उपभोक्ता का नुक़सान → कारण (मुनाफ़ाखोरी, जागरूकता की कमी) → उपाय (ISI/FSSAI चिह्न, बिल, उपभोक्ता फ़ोरम) → समापन।

आदर्श उत्तर (संक्षेप में):

आज टीवी, अख़बार और मोबाइल – हर जगह चमचमाते विज्ञापन हमें 'सबसे अच्छा' सामान ख़रीदने को उकसाते हैं। पर अक्सर विज्ञापन जितना बड़ा होता है, सामान की गुणवत्ता उतनी ही संदिग्ध निकलती है। नकली दवाइयाँ, मिलावटी खाद्य-पदार्थ और ब्रांड की नक़ल वाले कपड़े खुलेआम बिकते हैं। इससे ग्राहक का पैसा ही नहीं, सेहत भी दाँव पर लगती है। इसकी जड़ में अधिक मुनाफ़े का लालच और उपभोक्ताओं की अनजानी जल्दबाज़ी है। हमें ख़रीदते समय ISI, एगमार्क या FSSAI जैसे चिह्न देखने चाहिए, पक्का बिल लेना चाहिए और धोखा होने पर उपभोक्ता फ़ोरम में शिकायत करनी चाहिए। जागरूक ग्राहक ही इस धंधे पर रोक लगा सकता है।

अंक-बिंदु: प्रारंभ व समापन 1, विषयवस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

**अथवा**

लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – विषय: 'बदलते सामाजिक रीति-रिवाज'।

**उत्तर**

प्रारंभ (रीति-रिवाज का अर्थ) → पहले और अब का अंतर (विवाह, त्योहार, खान-पान) → सकारात्मक बदलाव (दहेज/बाल-विवाह का विरोध) → नकारात्मक पक्ष (दिखावा, अपनापन घटना) → संतुलित निष्कर्ष।

आदर्श उत्तर (संक्षेप में):
रीति-रिवाज समाज की पहचान होते हैं, पर समय के साथ इनका रूप भी बदलता है। पहले विवाह कई दिनों तक पूरे गाँव के सहयोग से होते थे; आज 'इवेंट मैनेजमेंट' और ऑनलाइन निमंत्रण का ज़माना है। त्योहारों पर अब हाथ से बनी मिठाइयों की जगह पैकेट वाले उपहार आ गए हैं। कुछ बदलाव स्वागत-योग्य हैं – बाल-विवाह, दहेज और पर्दा-प्रथा का विरोध बढ़ा है, बेटियों की शिक्षा को महत्त्व मिला है। दूसरी ओर, दिखावा और फ़िज़ूलख़र्ची बढ़ी है और आपसी मेलजोल घटा है। हमें ऐसे बदलाव अपनाने चाहिए जो मानवता और समानता बढ़ाएँ, और ऐसी परंपराएँ बचानी चाहिए जो परिवार और समाज को जोड़ती हैं।
अंक-बिंदु: प्रारंभ व समापन 1, विषयवस्तु 3, प्रस्तुति 1, भाषा 1।

**8.** *नीचे दिए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।* **6**

(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय संवाद-लेखन की किन मुख्य शर्तों का ध्यान रखना चाहिए? (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

संवाद मूल कहानी से मेल खाएँ; दृश्य के अनुरूप हों; कथानक को आगे बढ़ाएँ; छोटे, सरल, बोलचाल वाले और प्रभावी हों; पात्र के अनुरूप भाषा हो।

नाटक में कहानी मुख्यतः संवादों से आगे बढ़ती है, इसलिए –
1. संवाद मूल कहानी के भाव और संवादों से मेल खाने चाहिए।
2. हर दृश्य की स्थिति के अनुसार संवाद तय हों।
3. संवाद कथा-सूत्र को विकसित करें, केवल भराव न हों।
4. संवाद छोटे, सहज, बोलचाल की भाषा में और असरदार हों।
5. पात्र की उम्र, वर्ग, स्वभाव के अनुसार भाषा हो (जैसे ग्रामीण पात्र की देहाती बोली)।
कोई तीन बिंदु समझाकर लिखने पर पूरे अंक।

(ख) रेडियो नाटक में आवाज़ (ध्वनि) की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

रेडियो केवल श्रव्य माध्यम है; कहानी, पात्रों का परिचय, द्वंद्व, स्थितियाँ और भाव – सब कुछ संवाद, ध्वनि-प्रभाव और संगीत से ही व्यक्त होता है।

1. रेडियो पूरी तरह श्रव्य माध्यम है – श्रोता कुछ देख नहीं सकता।
2. इसलिए नाटक का संप्रेषण केवल शब्दों, ध्वनि-प्रभावों (दरवाज़ा खुलना, बारिश, घोड़े की टाप) और संगीत से होता है।
3. पात्रों का परिचय, उनका आपसी टकराव और समाधान आवाज़ के उतार-चढ़ाव से ही दिखाया जाता है।
4. स्थान, समय, मनोभाव और वातावरण भी आवाज़ से ही बनता है।
निष्कर्ष: रेडियो नाटक में आवाज़ ही मंच, वेशभूषा और अभिनय – सब का काम करती है।

(ग) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना 'खुले मैदान' से क्यों की गई है? (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

क्योंकि इसमें कल्पना की पूरी स्वतंत्रता, विचारों की मौलिक अभिव्यक्ति, सोचने-मनन की आज़ादी और विविध विषयों को समेटने की छूट होती है – कोई बँधी-बँधाई सीमा नहीं।

जिस तरह खुले मैदान में व्यक्ति किसी भी दिशा में स्वतंत्र दौड़ सकता है, उसी तरह अप्रत्याशित विषय (जैसे 'दीवार घड़ी', 'मेरी खिड़की') पर लिखते समय –
1. लेखक अपनी कल्पना को खुली उड़ान दे सकता है।
2. वह अपने मौलिक विचार रख सकता है, रटी-रटाई सामग्री की ज़रूरत नहीं।
3. विषय पर स्वतंत्र रूप से चिंतन-मनन कर सकता है।
4. अनेक प्रसंगों/विषयों को जोड़कर लिख सकता है।
कोई तीन बिंदु अपेक्षित।

**9.** *नीचे दिए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।* **8**

(क) मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं? मुद्रित माध्यमों की विशेषताओं पर अपने विचार लिखिए। (लगभग 80 शब्द)

**उत्तर**

मुद्रित माध्यम = छपे रूप में उपलब्ध जनसंचार माध्यम (समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें)। विशेषताएँ: शब्दों का स्थायित्व, अपनी सुविधा से पढ़ना, विषय का विस्तार, चिंतन-विश्लेषण का माध्यम, अगली पीढ़ी तक सुरक्षित, प्रमाण के रूप में प्रयोग।

अर्थ (2 अंक): जनसंचार का वह माध्यम जो छपे हुए रूप में पाठक तक पहुँचता है – जैसे अख़बार, पत्रिकाएँ, किताबें – मुद्रित माध्यम कहलाता है। यह जनसंचार का सबसे पुराना आधुनिक माध्यम है।
विशेषताएँ (कोई दो, 2 अंक):
1. छपे शब्द स्थायी होते हैं – उन्हें बार-बार पढ़ा और सँभालकर रखा जा सकता है।
2. पाठक अपनी सुविधा और गति से, जब चाहे पढ़ सकता है।
3. किसी विषय को विस्तार से लिखा-पढ़ा जा सकता है; यह गंभीर चिंतन-विश्लेषण का माध्यम है।
4. इसे दस्तावेज़/प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है और अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जा सकता है।
सीमा भी याद रखें: निरक्षर व्यक्ति के लिए यह उपयोगी नहीं।

(ख) समाचार लिखते समय प्रायः किन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास किया जाता है? इन्हें किस नाम से जाना जाता है? समाचार के मुखड़े, बॉडी और समापन में किन-किन प्रश्नों को आधार बनाया जाता है? (लगभग 80 शब्द)

**उत्तर**

क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे – इन्हें 'छह ककार' कहते हैं। मुखड़े में चार ककार (क्या, कौन, कहाँ, कब); बॉडी और समापन में दो ककार (क्यों, कैसे)।

1. प्रश्न (1 अंक): किसी घटना की पूरी जानकारी देने के लिए छह प्रश्नों का उत्तर दिया जाता है – क्या हुआ, किसके साथ/कौन, कहाँ हुआ, कब हुआ, क्यों हुआ और कैसे हुआ।
2. नाम (1 अंक): इन्हें 'छह ककार' कहा जाता है, क्योंकि सभी 'क' से शुरू होते हैं।
3. ढाँचा (2 अंक):
– मुखड़ा (इंट्रो): पहले चार ककार – क्या, कौन, कहाँ, कब; ये सूचनात्मक, तथ्यात्मक होते हैं।
– बॉडी व समापन: शेष दो ककार – क्यों और कैसे; इनमें विवरण, व्याख्या और विश्लेषण होता है।

(ग) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं? पत्रकारों के विभिन्न प्रकार बताते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) पत्रकार का अंतर स्पष्ट कीजिए। (लगभग 80 शब्द)

**उत्तर**

पाठकों/दर्शकों/श्रोताओं तक सूचना पहुँचाने के लिए किया गया लेखन पत्रकारीय लेखन है। पत्रकार तीन प्रकार के: पूर्णकालिक, अंशकालिक, स्वतंत्र (फ्रीलांसर)। पूर्णकालिक – किसी एक संगठन का नियमित वेतनभोगी; स्वतंत्र – किसी एक संस्था से बँधा नहीं, प्रति रचना भुगतान पर अलग-अलग पत्रों के लिए लिखता है।

पत्रकारीय लेखन (2 अंक): अख़बार, पत्रिका, टीवी, रेडियो, इंटरनेट के ज़रिए पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक समाचार व विचार पहुँचाने के लिए किए जाने वाले लेखन के सभी रूप – समाचार, फ़ीचर, संपादकीय, लेख, रिपोर्ट आदि।
पत्रकारों के प्रकार (1 अंक):
1. पूर्णकालिक पत्रकार
2. अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर) – निश्चित मानदेय पर सीमित समय के लिए काम करने वाला
3. स्वतंत्र पत्रकार (फ्रीलांसर)

अंतर (1 अंक):
– पूर्णकालिक पत्रकार किसी एक समाचार संगठन का नियमित कर्मचारी होता है और हर महीने वेतन पाता है।
– स्वतंत्र पत्रकार किसी संगठन से बँधा नहीं होता; वह अलग-अलग अख़बारों के लिए लिखता है और हर रचना/काम के हिसाब से भुगतान पाता है।

**10.** *काव्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।* **6**

(क) तुलसीदास के 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर बताइए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा। (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

रावण ने जब बताया कि उसने सीता का हरण किया है और युद्ध में बड़े-बड़े योद्धा मारे गए, तो कुंभकरण अपने भाई के इस पाप-कर्म, सीता (जगदंबा) की वास्तविकता और आने वाले लंका-विनाश को समझकर दुखी होकर बिलखने लगा।

प्रसंग: लक्ष्मण के स्वस्थ होने का समाचार सुनकर चिंतित रावण कुंभकरण को असमय जगाता है और सारी कथा सुनाता है।

कुंभकरण के बिलखने के कारण –

1. बड़े भाई रावण ने सीता का हरण जैसा दुष्कर्म किया था।
2. कुंभकरण जानता था कि सीता साधारण स्त्री नहीं, जगत-जननी हैं; उन्हें हरकर कल्याण की आशा करना मूर्खता है।
3. रावण की नासमझी के कारण उसे लंका और राक्षस-कुल का विनाश सामने दिखाई दे रहा था; अनेक योद्धा पहले ही मारे जा चुके थे।

इसलिए वह व्याकुल होकर बिलखने लगा। (कोई तीन बिंदु)

(ख) निराला की कविता 'बादल राग' के आधार पर लिखिए कि बादलों की रण-भेरी सुनकर धरती में सोए अंकुरों में कैसी चेतना जागती है। (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

बादलों की गर्जना सुनकर सोए अंकुर नई नमी, ऊर्जा और शक्ति से भर जाते हैं; वे आशा भरी दृष्टि से ऊपर देखते हैं और सिर उठाने लगते हैं – उन्हें जीवन में परिवर्तन (क्रांति) की उम्मीद दिखती है।

'बादल राग' में बादल क्रांति का प्रतीक है और अंकुर शोषित, दबे हुए आम लोगों के प्रतीक हैं।

1. बादल की रण-भेरी (गर्जना) सुनते ही धरती के भीतर सोए बीजों में नमी, ऊर्जा और शक्ति का संचार होता है।
2. वे नवजीवन की आशा से सिर ऊँचा करके बादल की ओर ताकने लगते हैं – उनमें उम्मीद की किरण जागती है।
3. प्रतीकार्थ: क्रांति की आहट से शोषित वर्ग को अपनी दशा बदलने और नए जीवन की आशा मिलती है।

(ग) शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'उषा' के संदर्भ में 'उषा का जादू टूटने' से आप क्या समझते हैं? (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

सूर्योदय से ठीक पहले आकाश में पल-पल बदलते रंगों का जो मनोहारी, पवित्र और निर्मल दृश्य होता है, सूरज निकलते ही वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है – यही उषा का जादू टूटना है।

1. 'उषा' कविता में भोर के आकाश को कभी नीले शंख, कभी राख से लीपे चौके, कभी लाल केसर से धुली काली सिल जैसा बताया गया है – ये रंग हर पल बदलते हैं।
2. यह बदलता सौंदर्य किसी जादू जैसा लगता है, जो पवित्रता, निर्मलता और उज्ज्वलता से भरा होता है।
3. जैसे ही सूर्य उदय होता है, तेज़ धूप में ये सारे रंग विलीन हो जाते हैं – कवि इसे ही 'उषा का जादू टूटना' कहता है।

**11.** *काव्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।* **4**

(क) कुँवर नारायण की कविता 'कविता के बहाने' के आधार पर लिखिए कि चिड़िया कविता की उड़ान को क्यों नहीं जान सकती। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

चिड़िया की उड़ान की शक्ति और सीमा तय है, पर कविता की उड़ान कल्पना की है – असीम और देश-काल की सीमाओं से परे; इसलिए चिड़िया उसे नहीं जान सकती।

1. चिड़िया अपने पंखों के बल पर एक सीमित दूरी और ऊँचाई तक ही उड़ सकती है; उसकी शक्ति और सीमा निश्चित है।
2. कविता कल्पना के पंखों से उड़ती है – वह घर-बाहर, अतीत-भविष्य, एक देश से दूसरे देश तक कहीं भी पहुँच सकती है।

इसलिए कविता की असीम उड़ान चिड़िया की समझ से बाहर है।

(ख) हरिवंशराय बच्चन के 'एक गीत' (दिन जल्दी-जल्दी ढलता है) के संदर्भ में लिखिए कि चिड़िया के पंखों में चंचलता भरने के क्या कारण हो सकते हैं। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

दिन ढल रहा है; घोंसले में बच्चे राह देख रहे होंगे – उनकी चिंता और जल्दी घर लौटने की बेचैनी चिड़िया के पंखों में तेज़ी (चंचलता) भर देती है।

1. शाम होने लगी है – दिन तेज़ी से ढल रहा है।
2. चिड़िया को याद आता है कि उसके बच्चे घोंसले से झाँककर उसकी प्रतीक्षा कर रहे होंगे, उन्हें भोजन चाहिए।
3. बच्चों की चिंता और घर जल्दी पहुँचने की इच्छा उसके पंखों में तेज़ी भर देती है।

(कोई दो बिंदु) – यही भाव कवि ने मनुष्य के प्रिय-मिलन की आतुरता से जोड़ा है।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' (रघुवीर सहाय) के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति से कैमरे के सामने सवाल पूछना मीडियाकर्मियों की किस कमी को दिखाता है। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

यह मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता, अमानवीयता/हृदयहीनता और दूसरों की पीड़ा (करुणा) को बेचकर कार्यक्रम को रोचक बनाने की व्यावसायिक प्रवृत्ति को दिखाता है।

1. संचालक अपाहिज व्यक्ति से बार-बार चुभते सवाल पूछता है – 'आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है?' – ताकि वह रो पड़े। यह उसकी संवेदनहीनता और हृदयहीनता है।
2. उसका उद्देश्य मदद नहीं, बल्कि दर्शकों की सहानुभूति बटोरकर कार्यक्रम की टीआरपी बढ़ाना है – यानी करुणा का बाज़ारीकरण।

(कोई दो बिंदु)

**12.** *गद्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।* **6**

(क) महादेवी वर्मा के संस्मरण 'भक्तिन' के आधार पर लिखिए कि भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं। (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

भक्तिन ने स्वयं शहरी ढंग नहीं अपनाया, बल्कि लेखिका को देहाती खान-पान (मकई का दलिया, ज्वार के भुने भुट्टे, बाजरे के पुए), देहाती रहन-सहन, भाषा और लोक-कथाएँ सिखा दीं।

1. भक्तिन गाँव की परंपराओं पर अड़ी रहती थी; वह शहर के तौर-तरीक़े नहीं सीखती थी।
2. उसने लेखिका को देहाती भोजन का ज्ञान और स्वाद दिया – रात को बने मकई के दलिये को सवेरे मट्ठे के साथ खाना, ज्वार के भुने भुट्टे, बाजरे के तिल वाले पुए आदि।
3. भक्तिन की देहाती बोली और उसकी सुनाई अनेक दंत-कथाएँ भी लेखिका को कंठस्थ हो गईं।

इस प्रकार भक्तिन तो शहरी नहीं बनी, लेखिका ही अधिक देहाती बन गईं। (एक उदाहरण सहित)

(ख) जैनेंद्र कुमार के निबंध 'बाज़ार दर्शन' के अनुसार कैसे लोग बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं? (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

जो अपनी ज़रूरत जानते हैं और उतना ही ख़रीदते हैं; जो भरे मन से बाज़ार जाते हैं और उसकी चकाचौंध से भ्रमित नहीं होते; जो मन से संतुष्ट हैं – जैसे भगत जी – वही बाज़ार को सार्थक बनाते हैं।

1. बाज़ार की सार्थकता उसे 'ज़रूरत की चीज़ें देने' में है, दिखावे में नहीं।
2. जो व्यक्ति जानता है कि उसे क्या चाहिए और उतना ही ख़रीदता है, वह बाज़ार का सही उपयोग करता है।
3. जो 'भरे मन' से जाता है, बाज़ार की चमक-दमक और जादू से भ्रमित नहीं होता।
4. लेखक के उदाहरण भगत जी (चूरन वाले) – संतोषी और निर्लिप्त; वे पंसारी की दुकान से केवल काला नमक और ज़ीरा लेकर लौट आते हैं।

ऐसे लोग ही बाज़ार को सार्थकता देते हैं; 'पर्चेज़िंग पावर' के घमंड में ख़रीदारी करने वाले बाज़ार को शैतानी जाल बना देते हैं। (कोई तीन बिंदु)

(ग) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर बताइए कि महामारी के समय पहलवान की ढोलक मृतप्राय गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार कैसे करती थी। (लगभग 60 शब्द)

**उत्तर**

ढोलक की आवाज़ से शक्तिहीन, अधमरे लोगों की नसों में बिजली-सी दौड़ जाती थी; उनकी आँखों के सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता था; मरते समय उन्हें पीड़ा कम होती और मन से मृत्यु का भय दूर हो जाता था।

प्रसंग: हैज़ा-मलेरिया से उजड़ते गाँव में रात भर लुट्टन पहलवान ढोलक बजाता रहता था।

1. ढोलक की थाप सुनकर शक्ति-शून्य स्नायुओं में बिजली-सी दौड़ जाती थी – मानो जीवन लौट आया हो।
2. कमज़ोर आँखों के आगे दंगल का दृश्य घूम जाता था, लोगों में उत्साह भरता था।
3. ढोलक सुनते हुए जो मरते थे, उन्हें आँख मूँदते समय कष्ट नहीं होता था; मृत्यु का भय मन से दूर हो जाता था।

(कोई तीन बिंदु)

**13.** *गद्य खंड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।* **4**

(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध 'शिरीष के फूल' के आधार पर शिरीष के फूलों (और वृक्ष) की विशेषताएँ लिखिए। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

शिरीष वसंत से भादों तक भीषण गर्मी में भी फूलता रहता है; उसके पुराने फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूल आने पर भी जगह नहीं छोड़ते; वह कालजयी अवधूत की तरह जीवन की अजेयता का संदेश देता है।

1. शिरीष के फल इतने मज़बूत (जिद्दी) होते हैं कि नए फूल-पत्ते आ जाने पर भी डाल पर टिके रहते हैं और वसंत आने पर भी खड़खड़ाते रहते हैं।
2. जेठ की तपती लू में भी यह वृक्ष हरा-भरा और फूलों से लदा रहता है।
3. कठिन परिस्थितियों में भी मस्त रहने के कारण लेखक ने इसे 'कालजयी अवधूत' कहा है, जो जीवन की अजेयता का मंत्र देता है।

फूल बहुत कोमल होते हैं – इतने कि केवल भौंरों के पैरों का दबाव सह सकें। (कोई दो बिंदु)

(ख) डॉ. भीमराव आंबेडकर के पाठ 'श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा' के आधार पर जाति पर आधारित श्रम-विभाजन के दोष बताइए। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

यह व्यक्ति की रुचि/क्षमता पर नहीं, जन्म पर आधारित है; अरुचि से काम करने के कारण कुशलता नहीं आती; विपरीत परिस्थिति में पेशा बदलने की छूट न होने से भुखमरी/बेरोज़गारी आती है; इसका देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है।

1. जाति-प्रथा में पेशा जन्म से तय होता है, व्यक्ति की इच्छा या योग्यता को महत्त्व नहीं मिलता – मजबूरी में किया गया काम कुशलता नहीं ला पाता।
2. उद्योगों में बदलाव या संकट आने पर भी व्यक्ति पेशा नहीं बदल सकता; इससे बेरोज़गारी और भूखे मरने की नौबत आती है।
3. अरुचि से काम करने वाले श्रमिकों के कारण उत्पादन घटता है और देश की अर्थव्यवस्था पर अप्रत्यक्ष रूप से बुरा प्रभाव पड़ता है।
4. यह श्रम का ही नहीं, श्रमिकों का भी अस्वाभाविक विभाजन है जो ऊँच-नीच पैदा करता है।

(कोई दो बिंदु)

(ग) 'भक्तिन' पाठ में कहा गया है कि भक्तिन का दुर्भाग्य भी उसी की तरह हठी था। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (लगभग 40 शब्द)

**उत्तर**

भक्तिन का जीवन लगातार दुखों से घिरा रहा – बचपन में माँ का निधन, विमाता का दुर्व्यवहार, बेटियाँ होने पर जेठानियों के ताने, कम उम्र में पति की मृत्यु, बेटी का भी जल्दी विधवा होना, पंचायत द्वारा बेटी पर ज़बरन पति थोपा जाना।

जैसे भक्तिन अपनी बात पर अड़ी रहती थी, वैसे ही दुर्भाग्य भी उसका पीछा नहीं छोड़ता था –

1. बचपन में ही माँ चल बसी और विमाता ने कष्ट दिए; विवाह के बाद पिता की मृत्यु की ख़बर भी देर से दी गई।
2. तीन बेटियाँ होने के कारण सास-जेठानियों ने उसकी उपेक्षा की।
3. युवावस्था में ही पति का देहांत हो गया।
4. बड़ी बेटी भी कम उम्र में विधवा हो गई और पंचायत ने एक निकम्मे तीतरबाज़ युवक को ज़बरदस्ती उसका पति बना दिया।

5. घर की दुर्दशा बढ़ती गई; लगान न चुका पाने पर ज़मींदार ने उसे दिन भर धूप में खड़ा रखा।
(कोई दो बिंदु)

---

**— समाप्त —**

Questions restated from the CBSE Class XII Board Examination 2023 (set 2/1/1) for practice. Reading passages and map items are described, not reproduced.